डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 255 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 01 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

वाह जनाब...सिर्फ जनता से उम्मीद..!

✻ खुद के बच्चे निजी स्कूलों में, लोगों से अपील सरकारी स्कूल में भेजने की
✻ संख्या बढ़ाने के लिए जोर... व्यवस्थाओं को कर रहे नजरअंदाज

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। **बीते दस साल का आंकड़ा उठाकर देखे तो सरकारी स्कूलों के नामांकन में भयंकर गिरावट हुई है। नामांकन घटकर आधा हो गया है। वहीं निजी स्कूलों में नामांकन बढ़े हैं। यही कारण है कि सत्ता के जनप्रतिनिधि भी नामांकन बढ़ाने के लिये किए जा रहे प्रयासों में जुट गए है। सांसद, विधायक, नपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि सोशल मीडिया पर अपील कर रहे हैं कि अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजे। लेकिन, मजे की बात यह है कि एक भी जनप्रतिनिधि का बच्चा या पौता सरकारी स्कूल में नहीं पढ़ रहा। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं जनप्रतिनिधि भी इस बात को महसूस कर रहे हैं कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर और व्यवस्थाएं बच्चे के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर सकती है।**

सिर्फ गणवेश और साइकिल कैसे बनाएंगी भविष्य...

जनप्रतिधियों द्वारा छह साल के बच्चों को शासकीय स्कूलों में प्रवेश दिलवाने की अपील की जा रही है। इसके लिए अच्छी व्यवस्थाओं और नई शिक्षा निती का हवाला दिया जा रहा है। गणवेश और साइकिल मुफ्त दिए जाने की बात जनप्रतिनिधि कह रहे है। लेकिन, प्रश्न यह उठता है कि गणवेश और साइकिल बच्चे का भविष्य कैसे बना सकती है? प्राथमिक शासकीय स्कूलों में अनुभवी, योग्य और पचास हजार रुपए से अधिक तनख्वाह वाले शिक्षकों के होने के बाद भी कहीं न कहीं बच्चों को वह नहीं मिल पा रहा जो उन्हें शुरुआती पढ़ाई में मिलना चाहिए।

रुपया खर्च कर रहे, अपडेट नहीं हो पा रहे...

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारी स्कूलों में लेपटॉप, साइकिल, स्कूटी, छात्रवृत्ति, गणवेश जैसी कई योजनाएं बच्चों के लिए चलाई गई। लेकिन, सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को लेकर कभी ध्यान नहीं दिया गया। विशेषकर प्राथमिक स्कूलों में। निजी स्कूलों में जहां प्ले, नर्सरी और पांचवीं तक समय और मांग के अनुसार कोर्स बच्चों को पढ़ाए जा रहे हैं। वहीं सरकारी स्कूलों की किताबें अपडेट होने का नाम नहीं ले रही।

इस वजह से गिर रहा नामांकन...

स्कूलों में प्रवेश लेने के लिए अभिभावक जब फैसला करते हैं तो वह दो बातों का ध्यान रखते हैं। एक तो स्कूल में पढाई, यानी शिक्षकों की व्यवस्था व अध्ययन की गुणवत्ता। दूसरा स्कूल की संरचना यानी, वहां की भौतिक व्यवस्था कैसी है। खेल कौशल से लेकर अतिरिक्त क्या-क्या सिखाया जाता है। वर्तमान में शासकीय स्कूलों की हालत दोनों ही बिंदुओं पर खराब है। न तो स्कूलों में शिक्षकों की पूर्ति है, न ही भौतिक व्यवस्थाएं। जिले में स्कूलों की मरम्मत के लिए ही मिलने वाला बजट भी जाने कहां चला जाता है। ऐसे में अन्य सुविधाएं तो बाद में आती है। वहीं निजी स्कूलों का ढांचा भलेही विस्तृत नहीं होता। लेकिन, उसके अच्छे प्रबंधन के चलते विद्यार्थी निजी स्कूलों में प्रवेश ले लेते हैं। जबकि, शासन सालभर में सरकारी स्कूलों पर करोड़ों रूपये खर्च कर रहा है।

अपडेट करने के नाम पर करोड़ो रुपए किए बर्बाद...

सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक स्तर का अपडेशन नहीं होने की जानकारी जिम्मेदारों को भी है। शासन से लेकर स्थानीय स्तर पर भी इसके प्रयास हुए। लेकिन करोड़ो रूपए खर्च करने के बाद भी योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पाई। उदाहरण के लिए कुछ समय पहले कुछ स्कूलों को चिन्हित कर उसमें अंग्रेजी माध्यम की शुरुआत करने का दावा किया गया। किताबें पहुंचाने के साथ शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया गया। योजना थी कि सभी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में किया जाएगा। यह योजना धरातल पर नहीं उतरी। ऑनलाइन क्लास के लिए चिन्हित स्कूलों में कम्प्यूटर, एलईडी पहुंचाई गई, लेकिन उसकी पेकिंग तक नहीं खुली। स्थानीय स्तर पर बात करें तो नपा द्वारा कमला नेहरु स्कूल को अंग्रेजी माध्यम में चलाने के लिए योजना तैयार की गई। यह प्रयास भी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहा। जो स्कूल चल रहा था, वह भी बंद कर दिया गया।

आधे रह गए प्रवेश...

पिछले दस साल का आंकड़ा देखे तो सरकारी स्कूलों में प्रवेश आधे रह गए है। जबकि, निजी स्कूलों के प्रवेश के आंकड़ों पर कोई फर्क नहीं पड़ा। दस साल पहले 2015-16 में सरकारी स्कूलों में प्रवेश का आंकडा 9 हजार 547 था। वहीं 2024-25 में यह आंकडा 4577 तक पहुंच गया। वहीं निजी स्कूलों में जहां दस साल पहले यह आंकडा 11 हजार 940 था। वहीं 2024-25 यह आंकडा 10664 था। इसके अलावा पिछले चार साल के आंकडों पर नजर डाले तो सरकार स्कूलो के नामांकन में लगातार गिरावट आई है। वहीं निजी स्कूलों का नामांकन इस दौरान बढ़ा है।

हत्या का प्रयास करने वाली महिला सहित पांच को आजीवन कारावास

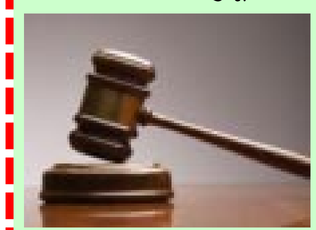

नीमच, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। आलोक कुमार सक्सेना, विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 नीमच द्वारा हत्या के प्रयास के मामले में एक महिला सहित 05 आरोपियो को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इनमें माया पिता भैरूलाल बंजारा आयु 28 वर्ष, कमल उर्फ करण पिता भैरूलाल बंजारा आयु 24 वर्ष, सत्तू उर्फ सत्यनारायण पिता भैरूलाल बंजारा आयु 30 वर्ष, भैरूलाल पिता दीपा बंजारा आयु 73 वर्ष व अर्जुन पिता भैरूलाल बंजारा आयु 23 वर्ष सभी निवासी ग्राम मोरवन चादर तहसील जावद शामिल है।

विशेष लोक अभियोजक श्रीमती कीर्ति शर्मा ने बताया कि एक अप्रैल 2020 की रात को कारुलाल के साथ पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों द्वारा लकड़ियों, पत्थर, लात-घूसे व सब्बल से मारपीट की गई। जिस कारण फरियादी को सिर पर, हाथ पर, अंगूठे पर व घुटने गंभीर चोट आई। जावद पुलिस ने विवेचना के दौरान आरोपियो को गिरफ्तार किया गया तथा शेष आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र विशेष न्यायालय नीमच में प्रस्तुत किया गया। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक श्रीमती कीर्ति शर्मा द्वारा की गई।

सूने मकान में सेंधमारी, बाईक, नकदी और जेवरात ले गए बदमाश

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। बरसात के मौसम में चोर भी सक्रिय हो गए है। एक तरफ जहां बाइक चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही। दूसरी तरफ बदमाश घरों को भी लगातार निशाना बना रहे हैं। अब रामटेकरी स्थित एक सूने मकान से बदमाश बाईक, नकदी और जेवरात चोरी कर ले गए।

चोरी की यह वारदात रामटेकरी निवासी राकेश जैन के यहां हुई। श्री जैन परिवार के साथ एक दिन पहले नाकोड़ा जी गए थे। सोमवार सुबह वह वापिस मंदसौर पहुंचे। घर पहुंचने पर पता चला कि घर का दरवाजा खुला हुआ था। अंदर के कमरों के दरवाजों के ताले भी टूटे हुए थे। घर का सामान अस्त व्यस्त पड़ा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। राकेश जैन ने बताया कि चोर घर से एक बाइक एमपी 14 जेडबी 1956 तथा 320 ग्राम चांदी के सिक्के और 35 हजार रुपए नकदी चोरी कर ले गए।

मासूम से गैंगरेप मामला-सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर री-ट्रायल, फांसी की सजा बदली, अब उम्रकैद का आदेश

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। वर्ष 2018 में 26 जून को मंदसौर की मासूम बालिका के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की सनसनीखेज घटना में नया मोड़ आ गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पुन: सुनवाई के बाद सत्र न्यायालय ने सोमवार को दोनों दोषियों की फांसी की सजा निरस्त कर मृत्यु पर्यंत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यानी अब दोनों आरोपी जीवनभर जैल में रहेंगे।

बता दे की 26 जून 2018 को मंदसौर की एक महिला ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली पोती स्कूल से घर नहीं लौटी। पुलिस ने जब तत्काल सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तो दो युवक बच्ची को ले जाते हुए दिखाई दिए। अगले दिन लक्ष्मण दरवाजे के पास झाड़ियों में बच्ची गंभीर रूप से घायल हालत में मिली। मामले में पुलिस ने इरफान और आसिफ नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आईपीसी की धाराएं 363, 366 ए, 307, 376डीबी और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। विशेष अदालत ने इस मामले की लगातार सुनवाई कर दो माह के भीतर दोषियों को फांसी की सजा सुनाई, जिसे बाद में मप्र उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ ने भी बरकरार रखा।

दोषियों ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ तकनीकी आधारों पर अर्थात डीएनए रिपोर्ट देने वाले डॉक्टरों के कथन नहीं होने की बात पर री-ट्रायल का आदेश देते हुए मामला पुन: सत्र न्यायालय को भेजा।

अब सत्र न्यायालय ने सुनवाई के बाद दोनों दोषियों की फांसी की सजा को निरस्त कर आजीवन कारावास (मृत्यु पर्यंत) की सजा सुनाई है। यानी दोनों को अब मृत्यु तक जैल में ही रहना होगा।

शहर हुआ था उद्वेलित, मौन रैली में शामिल हुए थे हजारों लोग...

बता दें कि करीब सात साल पहले हुई इस विभत्स वारदात से समूचा समाज उद्वेलित हो गया था। बगैर किसी के आव्हान के आमजन ने आकर मौन जुलूस निकालकर प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर आरोपियो को मौत की सजा देने की मांग की थी। इस मौन जुलूस में हजारो लोगो ने भागीदारी की थी।

मायूस दिखे मंदसौर के वकील...

सोमवार शाम प्रकरण में फैसला आने के बाद जब लोगो ने सुना कि आरोपियो की फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया गया है। तो आमजन के साथ ही कोर्ट परिसर में चर्चारत वकील भी मायूस दिखे। सभी का मानना था कि फांसी की सजा का फैसला यथावत रहेगा। लेकिन, न्यायालय ने अपना फैसला सुना दिया था। इसलिए चर्चा के अलावा कुछ नहीं हो सकता।

जल गंगा संवर्धन अभियान में फिसड्डी मंदसौर जिला..!

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। बारिश के पानी को सहेजने के अभियान में एक बार फिर मंदसौर जिला फिसड्डी रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले की स्थिति बेहद खराब रही है। जहां खंडवा, बालाघाट और रायसेन जैसे जिलों ने ए ग्रेड हासिल की है। खंडवा ने सबसे ज्यादा 89.02 अंक प्राप्त किए। वहीं मंदसौर जिला आखिरी के टॉप टेन में शामिल है। मंदसौर जिले को इस अभियान में सी ग्रेड मिली है।

बता दे कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च को शुरु हुआ था। लक्ष्य बारिश की बूंदें सहेजने, नई जल संरचनाओं का निर्माण और पुरानी को संरक्षित करना था। इसमें उज्जैन व छिंदवाड़ा समेत 33 जिलों ने बी ग्रेड हासिल किया। मंदसौर समेत 16 जिलों को सी ग्रेड मिला। अभियान 55 जिलों में चलाया गया। लेकिन, रैंकिंग में 52 जिलों ने ही हिस्सा लिया।

[पानी की बूंदों को सहजने में नाकाम रहे जिम्मेदार]

मंदसौर को महज 47.88 अंक...

अंकों की बात करें तो मंदसौर को इस अभियान में 47.88 अंक मिले हैं। शाजापुर को 42.93, शहडोल को 43.88, रतलाम को 44.13, सागर को 45.94, इंदौर को 47.61, आगर मालवा को 47.80, रीवा को 48.63, टीकमगढ़ को 48.78, जबलपुर को 48.85 अंक मिले हैं।

इधर बावड़ियों को जीवित करने के दावे..

अंकों और प्रदेश में अभियान के तहत जिले की स्थिति ने धरातल पर हुए कामों की पोल खोलकर रख दी। इधर स्थानीय स्तर पर अभियान के तहत बावड़ियों को जीवित करने सहित अन्य काम किए जाने के दावे प्रशासन द्वारा किए जा रहे हैं। प्रशासन के दावों के अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जिले की प्रमुख एवं प्राचीन और ऐतिहासिक बावड़ियां अपने मूल स्वरूप में दिखने लगी है। विकासखंड की मंदसौर अकाशा की बावडी, सात सहेलियों की बावड़ी, नागदेवता की बावडी। विकासखंड सीतामऊ में औखा बावडी कयामपुर। विकासखंड गरोठ में छाजड़जी की बावड़ी, विकासखंड भानपुरा में गणेश मंदिर वाली बावडी केथुली शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार जिला प्रशासन एवं जन अभियान परिषद के अथक प्रयास से यह बावड़िया अपने मूल स्वरूप में लौटी है। अभियान का ही परिणाम है कि यह संरचना फिर से उपयोग लाने लाइक बन गई है। इधर जिला मुख्यालय की प्राचीन बावड़ियों की बात करें तो एक समय पूरे शहर की प्यास बावड़ियों से बुझती थी। अब स्थिति यह है कि गणपति चौक में जलेश्वर महादेव की बावडी छोड़ दी जाए तो अन्य सभी अपने अस्तित्व के लिए लड़ाई लड़ रही है।

लंबे समय से जारी लापरवाही का दौर...

मंदसौर जिले में पानी की बूंदों को सहजने के लिए लापरवाही का दौर लंबे समय से जारी है। भवन पर लगाने के लिए रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का नियम तो लागू कर दिया गया, लेकिन जिले में यह सिस्टम कहीं नजर नहीं आता। आम लोगों के निजी और व्यवसायीक भवन में इस सिस्टम के लगे होने की उम्मीद करना तब बेईमानी लगता है जब जिला मुख्यालय के जवाबदार अधिकारियों के दफ्तरों में ही यह सिस्टम नहीं है। भवन निर्माण और बड़ी तथा व्यवसायीक इमारतों में भी वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य किया गया है। जो बारिश के पानी को सहेजने के लिए जरुरी है। लेकिन, शहर से लेकर पूरे जिले में कही पर भी जल संरक्षण के लिए यह हार्वेस्टिंग नहीं लगा हुआ है। जिले में वर्ष 2016 में ग्राम उदय से भारत उदय अभियान और फिर 2018 में जल शक्ति अभियान के तहत जल संग्रहण पर जोर दिया गया था।

उस समय जिले के 440 पंचायत भवनों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लक्ष्य के साथ ही सभी शासकीय भवन, स्कूल और आंगनबाड़ी भवनों में सिस्टम लगाना तय किया गया। लेकिन, किसी ने निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। अभी तक जिले भर में 50 फीसदी पंचायत भवनों पर ही वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं लग पाए हैं। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो अधिकांश शासकीय भवनों, आंगनबाड़ी भवनों और नगर परिषदों में भी सिस्टम कागजों में ही लगे हैं, हकीकत में बारिश का पानी सहेजने की बजाय हर साल व्यर्थ बह रहा है।

शिवना शुद्धिकरण : 29 करोड़ की योजना में खेल..?

बिन बारिश ही सामने आने लगा घटिया निर्माण, विधायक ने की कलेक्टर को शिकायत

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। शिवना नदी शुद्धिकरण और गंदे नालो को का पानी बाहर करने की योजना के नाम पर 29 करोड़ की लागत से सीवरेज योजना का काम चल रहा है। निर्माण कार्य अभी जारी ही है और काम की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। चेंबरों को अभी सीवरेज लाइन से जोड़ा भी नहीं गया और चेंबर धंसने लगे हैं। विधायक विपीन जैन ने भी काम की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए है। इसकी शिकायत कलेक्टर को की गई है।

विधायक ने कलेक्टर से मिलकर घटिया निर्माण कार्य की समीक्षा करने की मांग की है। साथ ही यह भी मांग की गई है कि लापरवाह ठेकेदार और अधिकारियो पर सख्त से सख्त कार्यवाही करे और योजना के सुचारू रूप से संचालन हेतु पक्ष, विपक्ष, सामाजिक, धार्मिक, प्रबुद्धजनो और अधिकारियो, कर्मचारियो की एक कमेटी गठित करे, ताकि योजना मूर्त रूप ले सके।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही योजना...

इस मामले में विधायक विपीन जैन ने कलेक्टर को लिखीत में शिकायत की। जिसमें कहा गया कि शिवना नदी पर 29 करोड़ की लागत से सिवरेज योजना का कार्य स्वीकृत होकर प्रगतिरत है। अभी योजना का कार्य पूर्ण भी नही हुआ है और सीवरेज चेंबर धंसने लगे है। जब कि अभी इन चेंबरो मे सिवरेज लाईन को जोडा भी नही गया है। निर्माण से पहले ही लापरवाही और भ्रष्टाचार की भेट चढ रहा है।

विधायक विपीन जैन ने कहा कि संबंधित अधिकारियो और ठेकेदार को निर्देशित करने के बाद भी इस और ध्यान नही दिया जा रहा है। शासन की राशि का दुरूपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिवना नदी मंदसौर की जनता की आस्था की प्रतीक है और लम्बे समय से जनता यह उम्मीद लिये है कि अब शिवना नदी पूर्ण रूप से शुद्ध होगी। परंतु ठेकेदारो और अधिकारियो की मिली भगत से मंदसौर की जनता की उम्मीदे पूरी होती दिखाई नही दे रही है।

जब शिवना अपने वेग पर आएगी तब क्या...

अभी तो शिवना में पानी ही नहीं आया है। जब पूर्ण बारिश के दौर में शिवना अपने पूरे वेग से बहेगी, तब यह चेंबर या बिछाई गई पाईप लाईन का क्या हश्र होगा? यह अभी समय के गर्भ में है। लेकिन, पाईप लाईन और चेंबर दोनो की स्थिति घटिया निर्माण और परिपूर्ण योजना के अभाव में करोड़ो रूपए एक बार पुनः पानी में बहने की आशंका बलवती होती दिखाई दे रही है।

प्लाट विवाद में पीटा, तीन पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। प्लाट विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों पर केस दर्ज किया। देवरी निवासी समरथ गायरी ने पिपलिया चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि प्लाट के विवाद को लेकर तहसील न्यायालय में केस दर्ज रहा है। इस बीच श्यामलाल पिता राजाराम मोगिया, मानसिंह पिता मांगीलाल मोगिया, राजाराम पिता मांगीलाल मोगिया तीनों आए और प्लाट पर जाली लगाकर इंगल लगाने लगे, मैंने व मेरे बड़े पापा रामेश्वर ने मना किया तो तीनों ने गाली-गलौज कर लठ्ठ से मारा, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

जमीन विवाद में मारपीट, 6 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों पर केस दर्ज किया। कोटड़ी माण्डा निवासी मांगीलाल बागरी ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि कृषि भूमि पर न्यायालय के आदेश के बाद खेत हांक रहा था। इसी दौरान भारतलाल पिता मोहनलाल बागरी, प्रकाश पिता मोहनलाल बागरी, बबलू पिता भरतलाल, नरसिह पिता रामेश्वर, कचनारा निवासी जीवन पिता भेरुलाल व माया पति जीवन ने एकमत होकर गाली-गलौज की व मारपीट कर लकड़ी से मारा, जिससे पैर पर चोंट आई। पुलिस ने सभी आरोपियों पर केस दर्ज किया।

खेत बोने को लेकर मारपीट, मां, बहिन व भाई पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। खेत बोने के विवाद में मारपीट के मामले में मां, बहिन व भाई पर केस दर्ज हुआ। कचनारा निवासी जुझारलाल पिता कन्हैयालाल डांगी ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे भाई राकेश ने मुझे बोला कि तूझे खेत नही बोने दूंगा और पत्थर से हमला किया। बीच-बचाव करने मेरी पत्नी पप्पूबाई भी आई तो मेरी मां भंवरीबाई व बहिन कविता ने मिलकर मेरी पत्नी को भी पीटा, जिससे चोंटे आई।

जानलेवा हमले में फरार महिला सहित 2 को भेजा जैल

पिपलियामंडी, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। जानलेवा हमले के मामले में फरार महिला सहित दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जिन्हें कोर्ट ने जेल भेजने के आदेश दिए। जानकारी के अनुसार 12 जनवरी 2025 को रंजिश के चलते फाटक मोहल्ला निवासी अवतारसिंह कौर, पत्नी मीरा व पुत्र हर्षदीप के साथ मारपीट कर जानलेवा हमला करने के मामले में फाटक मोहल्ला निवासी राजूबाई पति सुरेश नायक व जवासिया (नीमच) कमल चौहान फरार थे। एसआई नीतिन कुमावत ने बताया पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर नारायणगढ़ कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेजने के आदेश हुए। उल्लेखनीय है कि मामले में नाबालिग सहित दो की पूर्व में गिरफ्तारी हो चुकी है।

विचार-मंथन

तीर्थों पर क्यों हर साल टूटती है आफत

तीर्थस्थल लोगों की आस्था के साथ-साथ पर्यटन, रोजगार और राजस्व अर्जन के महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं। अपेक्षा की जाती है कि ऐसी जगहों पर लोगों की आवाजाही, रुकने-ठहरने, खाने-पीने की समुचित और सुविधाजनक व्यवस्था हो। सरकारें तीर्थस्थलों के विकास और वहां श्रद्धालुओं-सैलानियों को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं। इस दृष्टि से अनेक तीर्थस्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों को चौड़ी करने, सुरंगों, उपरिगामी पुलों आदि के निर्माण, होटल, मोटेल आदि की सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए गए हैं। इसका असर भी नजर आता है। अनेक तीर्थस्थलों पर लोगों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। मगर इसके साथ ही इन जगहों पर कमाई की होड़ में कई अव्यवस्थाएं भी पनपी हैं। इसका नतीजा यह है कि दुर्गम जगहों, पहाड़ों के तीर्थस्थलों पर हादसे बढ़े हैं, जिनमें हर वर्ष बहुत सारे श्रद्धालुओं-सैलानियों की जान चली जाती है। इस मामले में उत्तराखंड के तीर्थस्थलों पर अव्यवस्था की वजह से होने वाले हादसों को लेकर सबसे अधिक सवाल उठते हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से, दो महीनों के भीतर, सड़क दुर्घटनाओं, हेलिकाप्टर हादसे आदि की वजह से करीब साठ लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि वह यात्रियों की हर सुविधा का ध्यान रखता है, पर सच्चाई यह है कि अव्यवस्था के कारण चारधाम यात्रा में कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। यों, सैलानियों की बढ़ती तादाद और उनकी सुविधाओं के मद्देनजर किए जा रहे निर्माण कार्यों की वजह से उत्तराखंड के पर्यावरण को पहुंच रहे भारी नुकसान को लेकर लंबे समय से आवाजें उठती रही हैं। वहां के पहाड़ भंगुर हैं, निर्माण कार्यों और अतार्किक ढंग से बन रहे भवनों, सड़कों आदि के कारण उनमें दरारें पड़ने की शिकायतें आती रहती हैं। तेज बरसात में भूस्खलन से जब-तब तबाही के मंजर उपस्थित हो जाते हैं। इसलिए इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि वहां सैलानियों और पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए, उन्हें नियंत्रित और संतुलित किया जाए, ताकि अधिक भीड़भाड़ से असुविधाओं और जोखिम की स्थिति न बने। पर प्रशासन ने जैसे वहां कारोबारियों को मनमानी की छूट दे रखी है। इसी का नतीजा है कि हेलिकाप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाले तय मानकों को ताक पर रखते हुए उड़ान भरते रहते हैं। यही हाल वहां टैक्सी आदि की सेवाएं उपलब्ध कराने वालों का है। हालांकि उत्तराखंड के तीर्थस्थल और पर्यटन स्थल इस मामले में अपवाद नहीं हैं, हर तीर्थस्थल पर कमोबेश यही हाल है। जिन जगहों पर अधिक भीड़भाड़ इकट्ठा होने का अनुमान रहता है, वहां कायदे से लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के ठोस उपाय होने चाहिए। मगर ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर यात्रियों को उनके भरोसे छोड़ दिया जाता है। कहीं-कहीं कभी-कभार कुछ स्वयंसेवक, लोगों को संभालते देखे जाते हैं, पर भीड़ अधिक हो जाने पर वे भी अवश हो जाते हैं, जिसका नतीजा कई बार हादसों में सामने आता है। अमरनाथ यात्रा की एक व्यवस्था बनी हुई है, जिसमें श्रद्धालुओं का पंजीकरण किया जाता है, उन्हें अलग-अलग समय पर आगे बढ़ने दिया जाता है। चारधाम यात्रा में भी अगर भीड़भाड़ काफी बढ़ती देखी जा रही है, तो वहां ऐसी ही कोई व्यवस्था क्यों नहीं की जाती, जिसमें यात्रियों को चरणबद्ध तरीके से रवाना किया जाए और सुरक्षित वापस लौटाया जा सके।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग कंप्रोमाइज्ड है। ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है। राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और

लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है। उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रही हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसे बीजेपी को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह ब्रोकेन हो जाता है। सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में फुल स्केल एसॉल्ट हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में आइडियाज फॉर इंडिया सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं परजीवी बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डीप स्टेट (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां डीप स्टेट का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां डीप स्टेट का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी। 2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में फ्री स्पीच की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है। जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो। राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को 'वन ऑफ़ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीट्यूशन्स ग्लोबली' (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है। बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में] राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता। तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हर चेहरा, हर सोच - एक जैसा नहीं होता...

भगवती प्रसाद गेहलोत

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी एक के कहने पर ही तुरंत सामने वाले के व्यवहार के बारे में अंतिम रूप से अंदाजा नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि इसमें व्यवहार निश्चित करने वाले की मंशा और उसके मन में छिपे ध्येय को भी समझना जरूरी होता है। अन्यथा हम गलत निर्णय पर पहुंच कर स्वभाव के असत्य प्रचार के भागीदार हो सकते हैं, क्योंकि समय और परिस्थितियां इसमें प्रमुख भूमिका निभाती हैं। किसी में भी स्वभाव का निर्माण बचपन या किशोरावस्था से ही उसके प्रति किए जा रहे व्यवहार, अकेलेपन या पारिवारिक-सामाजिक वातावरण या उसकी परवरिश की प्रक्रिया में बनने लगता है। किसी के अच्छे या बुरे स्वभाव के विकास में उसके पालन-पोषण, परिवार-समाज का वातावरण, संस्कृति-परंपराएं, धार्मिक मान्यताएं, रीति-रिवाज जैसी परिस्थितियों का योगदान होता है। इसमें सकारात्मक-नकारात्मक दृष्टिकोण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्वभाव के निर्धारण में पहले महसूस करना, फिर सोचना, तदनुसार व्यवहार करना होता है। व्यक्ति के स्वभाव में सद्गुणों का समावेश जैसे ईमानदारी, कर्मठता, अनुशासन, धैर्य, मिलनसारिता, सत्यवादी, नैतिकता, जिज्ञासुपन, परस्पर सहयोग वृत्ति, प्रसन्नता आदि का समावेश होता है तो उसके अनुसार व्यवहार समाज के सामने आता है। उसके स्वभाव में मानवोचित गुणहीनता प्रकट होती है तो उसे असंयत, अव्यवहारिक या बुरे स्वभाव वाला घोषित कर दिया जाता है। किसी का स्वभाव बनाने में भाषा, जाति धर्म, परिवेश और जीवनशैली भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी से उसके व्यवहार में उपेक्षा, कहना न मानना, झूठ, अनुशासनहीनता, विपरीत जीवनचर्या या रहन-सहन, अतिलाभ, परिवार-समाज द्रोह, कार्य-व्यापार में दोहरापन, धर्म की आड़ में पारिवारिक-व्यक्तिगत लाभ आदि प्रक्रियाएं देखने को मिलती हैं। यह सब मनुष्य के स्वभाव से बनती है, जन्म लेती है। मनुष्य का स्वभाव उसके अकेलेपन या परिवार समाज में बनने लगता है। परवरिश और माहौल अच्छा है तो वह अच्छे स्वभाव वाला व्यक्ति बनेगा। खराब या दबावपूर्ण माहौल में परवरिश हो रही है तो खराब स्वभाव के निर्माण की संभावना ज्यादा रहती है, लेकिन कभी-कभी यह भी देखने में भी आता है कि ऐसे माहौल में रहने वाला कोई व्यक्ति अच्छे स्वभाव को लेकर भी समाज में उभर आता है। कभी जीवन के मध्य में भी स्वभाव बदलते देखा गया है। सामाजिक रूप से नकारात्मक स्वभाव वाले भी उत्तम व्यवहार लेकर सामने आ जाते हैं। लेकिन यह बहुत कम होता है। जैसा वातावरण, अनुकूलन वैसा स्वभाव और व्यवहार। चुनाव में वोट पाने की होड़ के मर्यादित-अमर्यादित तरीकों ने लोगों के स्वभाव और व्यवहार की दिशा बदल दी है। जो व्यक्ति केवल अच्छी बातों को दिखाता है, उसके पीछे अपना हितलाभ ज्यादा छिपा है। यहीं स्वभाव का दोहरापन उजागर होता है। जहां तक सामाजिक मूल्यों की बात है तो स्वभाव में सामाजिक मूल्य सापेक्ष और विरोधात्मक, दोनों निर्धारित कर दिए जाते हैं। सापेक्ष से अपेक्षा है कि वह शांतचित्त, सहयोगी, धैर्य पूर्वक समझकर प्रतिक्रिया व्यक्त करने वाला व्यक्ति हो, सहज, आत्मीय, उत्साहवर्धक, संवेदी परिस्थिति के अनुसार अनुकूल-प्रतिक्रिया या व्यवहार करने वाला व्यक्ति हो। ऐसे लोगों को सकारात्मक स्वभाववाला व्यक्ति भी कहा जाता है। जिसके व्यवहार में हमेशा जरा-सी बात को लेकर गुस्सा या उग्रता आ जाती हो, वह झगड़े पर उतारू हो जाता हो, तो परीक्षित या व्यवहारी जन उसे उग्र, क्रोधी, नकारात्मक स्वभाव वाला, हर समय असंतुष्ट रहने वाला, कुछ भी बोल देने वाले स्वभाव से चिह्नित कर देते हैं। लेकिन अच्छे या बुरे स्वभाव का निर्धारण एक बार में नहीं हो जाता। जरूरत है संबंधित व्यक्ति के बारे में निष्पक्ष रूप से सोचा जाए। हालांकि कुछ लोगों का स्वभाव एक से अधिक बार साथ रहने पर भी पता नहीं चल पाता। ऐसे लोग अपने को एकदम अभिव्यक्त करने वाले नहीं होते। कुछ लोग बनावटी स्वभाव वाले होते हैं। जैसा उनके व्यवहार में दिखाई देता है, वे वैसे होते नहीं हैं। अपने हित के लिए सामाजिक एकता से खिलवाड़ करते रहना उनका स्वभाव बन जाता है। तब आम आदमी यह समझ नहीं पाता कि ऐसे व्यक्ति का स्वभाव कैसा है।

बिहार में जीत के लिए कांग्रेस फिर से काठ की हांडी के भरोसे

राहुल गांधी ने लिखा कि भाजपा और उसके सहयोगियों ने महाराष्ट्र में चुनाव जीतने के लिए 5 स्टेप की प्लानिंग की थी। कांग्रेस नेता ने यह कहा कि महाराष्ट्र की तरह की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, फिर किसी भी राज्य में जहां भाजपा हारती दिख रही हो। लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव और कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हारने से भी कांग्रेस ने कोई सबक नहीं सीखा है। देश में भ्रष्टाचार और विकास के मुद्दे उठाने के बजाए पुराने गड़े मुर्दे उखाड़ कर अपना खोया हुआ जनाधार फिर से प्राप्त करने की नाकाम कोशिशों में जुटी हुई है। देश की सबसे पुरानी पार्टी को देश के मतदाताओं की नब्ज पकड़ में नहीं आई है। इतने चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस को यह समझ नहीं आया है कि आखिर देश के मतदाता चाहते क्या हैं। मतदाताओं की जरूरतों को समझने के बजाए कांग्रेस सत्ता प्राप्ति के लिए काठ की हांडी को बार-बार चढ़ाने के प्रयास में मात खा रही है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोपों से यही लगता है कि कांग्रेस के पास मुद्दों की या समझ की कमी हो गई है। कांग्रेस महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फर्जीवाड़े का आरोप लगा रही है। आश्चर्य यह है कि यही कांग्रेस जब कर्नाटक, हिमाचल और तेलंगाना में चुनाव जीती तब निर्वाचन प्रक्रिया पर ऐसे आरोप नहीं लगाए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर फिर एक बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने 5 स्टेप में महाराष्ट्र चुनाव में फिक्सिंग की बात कही है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देते हुए उनके सभी दावों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे अपने लेख के जरिए भाजपा पर आरोप लगाया कि महाराष्ट्र चुनावों में मैच फिक्सिंग की गई और अब कुछ ऐसा ही बिहार में दोहराया जाएगा। राहुल गांधी ने अपने इस लेख को सोशल मीडिया पर शेयर किया। राहुल गांधी ने लिखा कि भाजपा और उसके सहयोगियों ने महाराष्ट्र में चुनाव जीतने के लिए 5 स्टेप की प्लानिंग की थी। कांग्रेस नेता ने यह कहा कि महाराष्ट्र की तरह की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, फिर किसी भी राज्य में जहां भाजपा हारती दिख रही हो। राहुल गांधी के इस आरोप पर भाजपा के साथ-साथ जदयू, हम सहित अन्य दलों ने भी कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रतिक्रिया दी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी द्वारा 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र में धांधली करने का ब्लूप्रिंट करार दिये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता कई चुनाव में हार से दुखी और हताश है और इसलिए विचित्र साजिशें रचने का आरोप लगा रहे हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी को यह नहीं पता कि चुनावी प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्हें बहुत अच्छे से पता है। लेकिन उनका मकसद स्पष्टता नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है। जेडीयू नेता के सी त्यागी ने कहा कि चुनाव आयोग का जितना दुरुपयोग कांग्रेस ने अपने जमाने में किया है उतना किसी ने नहीं किया। मुख्य चुनाव आयुक्त एम एस गिल को सांसद बनाया और मंत्री बनाया। कांग्रेस पार्टी की जो नीतियां रही हैं पिछड़ों और वंचितों को लेकर उसके चलते उनके वोटों पर पहले ही चोरी नहीं बल्कि डाका पड़ चुका है। त्यागी ने कहा कि बिहार चुनाव से पहले ही राहुल गांधी हार मान चुके हैं। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में राहुल गांधी के दावों को निराधार बताया। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर लंबा जवाब दिया है।

आज का राशिफल

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5643

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5642

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5643

संकेत: बाएं से दाएं
1. 26 सितंबर 1923 को इस महान अभिनेता और निर्माता ने जन्म लिया था (5)
5. विवाह के समय वधू को वर को अर्पित करना (3)
6. 1970 की पंजाब की प्रसिद्ध प्रेम कथा पर आधारित फिल्म जिसमें राजकुमार-प्रिया राजवंश की जोड़ी थी (4)
9. यह इंडोनेशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप है (2)
11. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर स्टारिंग पंजाब अभिनीत 1970 की सफल फिल्म (6)
13. पुराणानुसार सात पातालों में से पहला, पैर, नीचे की सतह (2)
14. धड़कन, चार्ज (2)
15. यहूदियों और मुसलमानों के धर्म शास्त्रों के अनुसार मनुष्य आदि का प्रजापति (3)
16. यह अभिनेत्री 2000 की मिस यूनिवर्स थी (4)
18. पराया, गैर आदमी (3)
20. कवि, दोहे का एक भेद (3)
21. रचित होना, क्रियान्वयन होना (3)

ऊपर से नीचे
1. देवकी के बेटे होने के कारण भगवान श्रीकृष्ण का एक नाम (5)
2. किसी देवता आदि से मांगा हुआ मनोरथ (2)
3. आगमन (4)
4. खटाई के योग से जमाया हुआ दूध (2)
7. गति, चाल (3)
8. यह भारत का 28 वां राज्य है जिसकी स्थापना 15 नवंबर 2000 को हुई थी (4)
10. यह एक संस्कृत नाटक है (5)
12. अवस्था, दशा (2)
14. कारीगर, शिल्पकार, व्यवसाय (4)
15. प्रतिष्ठा, मान, इज्जत (3)
16. ज्वालामुखी से निकलने वाला सिलिकेट पदार्थ (2)
17. जंघा, जांघ (2)
18. पीछे (अंग्रेजी) (2)
19. विविध, अनेक प्रकार के (2)

वर्ग पहेली 5642 का हल

जय रामजी की प्रयास सेवा समिति द्वारा किया विद्यार्थियों का सम्मान

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर की अग्रणी सामाजिक एवं धार्मिक संस्था जय रामजी की प्रयास सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार मनाए जाने वाले सीए डे एवं डॉक्टर डे की पूर्व संध्या पर समाज के सभी सम्मानित डॉक्टर एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान पुष्पमाला पहनाकर एवं केक काटकर किया गया। साथ ही हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान भी इस गरिमामय आयोजन में पधारे गणमान्य अतिथि गण एवं डॉक्टर एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड भेंटकर किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में समिती अध्यक्ष प्रकाश लालवानी ने अध्यक्षीय स्वागत उद्बोधन दिया व समिति के सामाजिक धार्मिक कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक विपिन जैन ने कहा कि मैं प्रथम बार प्रयास सेवा समिति के इस कार्यक्रम में आया हूं आकर मुझे काफी अच्छा लगा की समिति के युवाओं द्वारा अपने व्यस्त जिंदगी में से समय निकालकर प्रेरणादाई सामाजिक कार्य किया जा रहे हैं जो कि निश्चित रूप से सभी के लिए प्रेरणादायक है। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ समाजसेवी काका दृष्टानंद नैनवानी ने कहा समिति के द्वारा निरंतर समाज हित के कार्य किए जा रहे हैं, जिसके लिए पूरी समिति बधाई की पात्र है। विशेष अतिथि शहर थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों में उत्साहवर्धन होता है, जिनके अच्छे अंक आए हैं वो आगे और बेहतर पढाई करे और जिनके कम अंक आए वो भी निराश ना हो और आगे और मेहनत कर के अच्छे परिणाम लाए। इस अवसर कार्यक्रम के सहयोगी मेघनानी परिवार से लक्ष्मण मेघनानी, भगवानदास मेघनानी ने भी बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विशेष अतिथि जिला योजना अधिकारी दिलीप मुजावदिया, उद्यानिकी महाविद्यालय के प्रोफेसर रोशन गिलानी, भारतीय जनता पार्टी पार्षद भावना पमनानी, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत कोषाध्यक्ष प्रीतम खेमानी ने भी अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी, संचालन समिति के सदस्य विजय कोठारी ने किया, आभार समिति के महासचिव चंद्रप्रकाश आडवाणी ने माना। कार्यक्रम में समिति सदस्य विजय कोठारी, दुर्गेश बेलानी, दिलीप साधवानी, डॉ. गिरीश शर्मा, दिनेश चंदवानी, प्रदीप चंदवानी, प्रकाश लालवानी, चन्द्रप्रकाश आडवानी, शिव कुमार चंदानी, रूपेश चांदवानी, प्रदीप तेजवानी, जीतेन्द्र हरवानी, ललित हर्वानी, हेमंत पमनानी, रोहित लालवानी, मुकेश चंदवानी, प्रकाश बेलानी (स्लिक किचन), प्रकाश तिरथदास बेलानी, शंकर बेलानी, हीरालाल मनवानी, नरेन्द्र (पप्पू भाई)दासानी, समिती महिला सदस्य हर्षा साधवानी, निशा चंदवानी, भावना चंदवानी, लविना शर्मा समाज के वरिष्ठ डेस न्यूज संचालक नंदूभाई आडवाणी, गिरधारी पुरुस्वानी, पप्पन ज्ञानी, कैलाश मनवानी, भगवानदास लालवानी, पुरुषोत्तम खेमानी, गोपाल पारवानी आदि बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार द्वारा मुक्तिधाम परिसर पर सफाई अभियान व पौधारोपण अभियान चलाया

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत श्रमदानियों ने अपना अमूल्य समय निकालकर मुक्तिधाम परिसर में पेड़ों की सफाई व गंदगी को निकाला जहां पेड़ परिसर में लगे हुए है जहां पेड़ लगा रखे है वहां पोलेथिन व पुराने कपड़े इकट्ठे किये। पेड़ पौधे के अंदर क्यारी को साफ सफाई की और परिसर में झाड़ू लगाई। श्रमदानी ने कहा है कि महिने में वहां पर एक बार सफाई अभियान चलाया जायेगा। सभी समाज के व्यक्ति आते है है। सार्वजनिक स्थान की सफाई अभियान चलाकर जैसे गर्मी में स्टेशन पर बहुत संस्था पानी मिलाने का कार्य करती है। ऐसा ही गायत्री परिवार के श्रमदानी अपना समय निकालकर इस स्वच्छता, जल, पर्यावरण अभियान को चलाते है। मंदिर, मस्जिद पार्क तालाब पर हर व्यक्ति जाता हैं, उसकी सुंदरता रखना हमारा सभी का कर्तव्य बनता है।

साफ सफाई रखे और गंदा करने वाले को रोके, तभी स्वच्छता अभियान सफल होगा ऐसे सार्वजनिक स्थान पर गंदगी न करे और न करने दे।

समाजसेवी दिनेश खत्री ने पेड़ लगाने का कार्य किया और गायत्री परिवार को पेड़ लगाने में पौधे देने का सहयोग प्रदान किया। पौधे लगाने में अपना समय और सहयोग देता रहूंगा। यह कार्य गायत्री परिवार ने अच्छा कार्य की शुरूआत की है। इस कार्य को चालू रखने के लिये अपना समय और सहयोग देता रहूंगा। वर्क संस्था के इमरान गोरी ने भी कुवैत से आये हुए है उन्होंने भी अपना समय देकर अभियान में सहयोग प्रदान किया और कहा कि इस नेक कार्य को सभी को मिलजुल कर करना चाहिये। समाज में ऐसे व्यक्ति है जो निस्वार्थ होकर कार्य करते है ऐसी मुक्तिधाम पर महिला निर्मला कलोसिया जो 20 वर्ष से अपनी सेवा दे रही है। वहां पर जानकारी दी और उन्होंने बताया वहां पर अर्थी रखी जाती है उसी के नीचे लकड़ी लगाने का कार्य करती है। मेरा लड़का कोरोना काल में चला गया तब भी सेवा कार्य नहीं बंद होने दिया। ऐस व्यक्ति आदर्श के पात्र है। वर्क संस्था के फिरोज हुसैन ने भी मुक्तिधाम पर जाकर सफाई अभियान और पेड़ लगाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन व ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सा. भी हमारे आदर्श है। भारत की राजनीति में कार्य किया और भारत का नाम रोशन किया। ऐसे आदर्श होने चाहिये। श्रमदान में भाग लेने वाले में राजेश पोरवाल, राधेश्याम, योगेशसिंह सोम, दिनेश खत्री, रमेश सोनी, आलम के भाई मोहन, फिरोज हुसैन, निर्मला ने भी श्रमदान में भाग लिया।

सुख शान्ति की ओर कदम कार्यक्रम को भारी सफलता

विघ्न विनाशक राजयोग तपस्या में 1000 से अधिक ब्रह्मावत्स सम्मिलित हुए

नीमच, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। संयुक्त परिवार का विघटन रोकने के एक दूसरे के विचारों को सम्मान दें, कम से कम सांध्यकालीन भोजन तो एक साथ बैठकर ही करना चाहिए, इससे घर का माहौल सदैव हल्का रहता है। परिवार के बच्चों को आध्यात्मिक पुस्तकों का गिफ्ट देकर तथा कोई प्रतियोगिता कर प्रोत्साहन पुरूस्कार देते रहना चाहिए उपरोक्त विचार सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता, दिव्य प्रभा राजयोगिनी बी.के.गीता बहनजी ने सुख शांति की ओर कदम.. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। खचाखच भरे सद्भावना सभागार में उपस्थित जिले के प्रमुख उच्चाधिकारी, राजनेता एवं प्रतिष्ठित जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। बी.के.गीता बहन ने इन सभी के सम्मुख संकल्प की शक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि हर संकल्प में एक क्रिएटिव एनर्जी होती है जिसे हमें सकारात्मक रूप से प्रयोग में लाना है। जो हम अपने सोच में निरन्तरता लाते हैं वही हमारा स्वरूप बन जाता है, इसलिए हमेशा व्यर्थ और नकारात्मक संकल्पों से बचकर सकारात्मक और शक्तिशाली संकल्पों के लिए नियमित रूप से मेडिटेशन का अभ्यास अवश्य करें। यह आध्यात्मिक प्रयास मन को सही दिशा की और ले जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वड प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता व संकल्प सिद्ध योगी राजयोगी बी.के.सूर्य भाई जी के साथ ही बी.के.गीता बहन, बी.के. सविता बहन, फैमिली कोर्ट के विशेष न्यायाधीश श्री कुलदीप जैन, मुख्य न्यायीक दण्डाधिकारी श्री रवि कुमार बोरासी, विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती वन्दना खण्डेलवाल, ज्ञानोदय विश्व विद्यालय की कुलाधिपति डॉ. माधुरी चौरसिया, डिप्टी कमाण्डेंय तरंग बंसल, वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष चौपड़ा तथा डॉ. अशोक जैन आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ञावलित कर किया। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता विश्व प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता बी.के.सूर्य भाई जी ने अपने अति उपयोगी मननशील उद्बोधन में बताया कि हमारे छोटे छोटे संकल्प हमारे जीवन पर बड़ा बड़ा प्रभाव डालते हैं। सुबह उठने से लेकर रात्रि को सोने तक हमारी कार्यशैली, हमारे संकल्पों से संचालित होती है किन्तु मन और उसकी संकल्प शक्ति का यथार्थ ज्ञान न होने के कारण हम मन व बुद्धि को निरंकुश छोड़ देते हैं, परिणाम स्वरूप बेलगाम घोड़े के मुआफिक मन उछल कूद करता है जिससे हमारी आध्यात्मिक शक्तियों का ह्रास होता है। जबकि यही शक्ति संकल्पों की रचनात्मक उर्जा शक्ति से हमें उचाईयों की और ले जा सकती है। आपने अनेक उदाहरणों के साथ बताया कि कैसे कैसे संकल्प की किएटिव एनर्जी का सदुपयोग या दुरूपयोग करके या तो हम अपने जीवन का उत्थान अथवा पतन कर लेते हैं। उपरोक्त कार्यक्रम देर रात्रि तक चला जिसका संचालन बी.के.श्रुति बहन ने किया तथा स्वागत भाषण सविता दीदी द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके पूर्व दोपहर में नगर के दशहरा मैदान स्थित टॉउन हॉल में नीमच, मनासा, रामपुरा, जावद, जीरन, मल्हारगढ़, पिपलिया मण्डी एवं नारायरगढ़ आदि स्थानों के 1000 से अधिक नियमित राजयोगी ब्रह्मावत्सों ने 5 घण्टे से अधिक की अखण्ड मौन तपस्या की तथा राजयोगी बी.के.सूर्य भाई जी तथा दिव्य प्रभा ब्रह्माकुमारी गीता बहन जी ने सभी राजयोगी भाई-बहनों को आध्यात्मिक उन्न.ति के अनेक सरल टिप्स दिये व राजयोग का अभ्यास भी करवाया। इसके पश्चात सभी के लिए ब्रह्माभोजन प्रसादी का आयोजन भी किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार महावीर प्रकाश अग्रवाल ने मास्टर आफ जर्नलिज्म की उपाधि प्राप्त की

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। वरिष्ठ पत्रकार श्री महावीर प्रकाश अग्रवाल ने पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (मास्टर आफ जर्नलिज्म) की परीक्षा उतीर्ण कर मंदसौर जिले की पत्रकारिता के गौरव को बढ़ाया।

आपने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र से पत्रकारिता की पढ़ाई कर यह डिग्री प्राप्त की है। पत्रकारिता के क्षेत्र में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर उतीर्ण होने वाले आप मंदसौर जिले के प्रथम पत्रकार हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में महावीर प्रकाश अग्रवाल के अनुभव का लाभ आने वाली पीढ़ी को मिलेगा। इसके पूर्व आपने मंदसौर विश्व विद्यालय से पत्रकारिता में बैचलर ऑफ जर्नलिज्म डिग्री प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। आपने पांच वर्षों तक मंदसौर विश्वविद्यालय में पत्रकारिता विषय पर बचो को पढ़ाया भी है। भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर में

वरिष्ठ पत्रकार महावीर प्रकाश अग्रवाल ने पत्रकारिता के क्षेत्र में कई कीर्तिमान रचे है। आपको प्रदेश स्तरीय माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता पुरुस्कार 1988 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अर्जुन सिंह के हाथों मिलने वाला सम्मान हिंदी साहित्य के मनीषी एवं देशबंधु के संपादक मायाराम सुरजन ने होशंगाबाद जिले के माखन नगर में प्रदान किया।

पत्रकारिता के क्षेत्र में महावीर प्रकाश अग्रवाल का नाम पूरे देशभर में जाना पहचाना जाता है आपने अनेक राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर की पत्र पत्रिकाओं में लेखन का कार्य किया है। आप पीटीआई , भाषा न्यूज एजेंसी के 45 वर्षों से जिला ब्यूरो चीफ है। साथ ही इतने वर्षों से अधिमान्य पत्रकार हैं। तीन बार संभागीय अधिमान्यता समिति के सदस्य भी रह चुके है। नई दुनिया, नवभारत, क्रॉनिकल, नव ज्योति अजमेर , दैनिक ध्वज के साथ साथ अनेक समाचार पत्रों में आपने कार्य किया। साथ ही दैनिक शांति संदेश का प्रकाशन भी आपके द्वारा किया गया। महावीर प्रकाश अग्रवाल को इस उपलब्धि पर वरिष्ठ पत्रकार का अभिभाषक संघ (बार)मंदसौर में वरिष्ठ अधिवक्ता कांतिलाल राठौर,निर्मल कुमार जोशी,मदनलाल शर्मा, राजकुमार सिंह देवड़ा, जय देवसिंह चौहान, सुनील रायजादा,उमेश परमार ,ओम ट्रेलर,राम राठौर,श्रेयांश नाहर, सहित विभिन्न अधिवक्ताओं ने माला पहनाकर और मुंह मीठा कराकर इस उपलब्धि पर बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।

स्कूलों में नि:शुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग ने शासकीय स्कूलों में नि:शुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। दिशा-निर्देश में बताया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले विद्यार्थी, जो कि शासकीय विद्यालय में कक्षा 6वीं और 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वे जिस ग्राम के निवासी हैं उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय-हाई स्कूल संचालित नहीं हैं वे अध्ययन के लिये किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाते हैं उन छात्रों को इस योजना का लाभ कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रथम प्रवेश पर एक ही बार मिलेगा। इन कक्षाओं में पुन: प्रवेश लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे विद्यार्थी जो शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं उस गांव से उनके निवास की दूरी 2 किलोमीटर की दूरी से अधिक हो उन्हें ही साइकिल की पात्रता होगी। ग्रामीण क्षेत्र में कन्या छात्रावास में अध्ययनरत छात्राएं जिनके माध्यमिक शाला और हाई स्कूल छात्रावास से स्कूल की दूरी 2 किलोमीटर अधिक दूरी पर है यह साइकिलें छात्रावास को आवंटित की जायेंगी और छात्रावास में रहने वाली बालिकाएं इनका प्रयोग कर सकेंगी। छात्रावास छोड़ते समय साइकिलें छात्रावास में जमा कराना होंगी।

योजना में कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों को 18 इंच और कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को 20 इंच की साइकिलें प्रदाय की जायेंगी। नि:शुल्क साइकिल वितरण की विस्तृत जानकारी 3.0 पोर्टल पर प्रदर्शित की गई हैं। नि:शुल्क साइकिल वितरण के संबंध में कक्षा 6वीं की साइकिल के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी आर.के. पांडे और कक्षा 9वीं के लिये योजना अधिकारी श्री अशोक बड़गे को नोडल अधिकारी बनाया गया है। दिशा-निर्देश प्रदेश के समस्त कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा केन्द्र समन्वयक को जारी किये गये हैं।

नपाध्यक्ष ने कालाभाटा बांध का निरीक्षण किया

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कल रविवार को कालाभाटा बांध का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, जलकार्य सभापति निलेश जैन, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता, पार्षद सुनीता भावसार, गोवर्धन कुमावत सहित नपा की जलकार्य शाखा के कर्मचारीगण भी साथ थे। मंदसौर नगर एवं आसपास क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा के कारण शिवना नदी के ऊपरी छोर पर पर्याप्त वर्षा होने के कारण कंथार डेम लबालब भर गया है तथा वहां से पानी कालाभाटा बांध की ओर आ रहा है। जिसके कारण कालाभाटा बांध भी भरने लगा है। कालाभाटा बांध में तेजी से पानी की आवक बढ़ रही है। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने पानी की आवक को देखने के लिये ही निरीक्षण किया और यहां मौके पर उपस्थित कर्मचारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

नपाध्यक्ष ने मन की बात कार्यक्रम को सुना

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने रविवार को जनकूपुरा स्थित पं. अरूण शर्मा व श्रीमती संध्या शर्मा के निवास स्थान पर पहुंचकर यहां मन की बात कार्यक्रम को देखा और सुना। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 123वें एपिसोड को वार्ड नं. 19 में पहुंचकर श्रवण किया। इस दौरान शर्मा दम्पत्ति ने दुपट्टा ओढ़ाकर नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर एवं साथ में पहुंची नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता, पार्षद सुनील बंसल, नेमिचंद खमेसरा आदि का भी स्वागत किया।

आर्ट ऑफ़ लिविंग परिवार ने शिक्षकों का स्वागत किया

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। आर्ट ऑफ़ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर, बेंगलुरु में 22 दिवसीय गहन प्रशिक्षण प्राप्त कर शिक्षक बने मंदसौर के श्री श्याम भावसार, श्री आशीष राठौर एवं श्री कमलेश कोठारी का आज आर्ट ऑफ लिविंग परिवार मंदसौर द्वारा महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर आत्मीय स्वागत किया गया।

इस विशेष अवसर पर डॉ. रमेश कनेसरिया, शैलेंद्र माथुर, सुरेंद्र संघवी, नरेंद्र धनोतिया, दिलीप परमार, सूर्यकांत शुक्ला, अंकित सोनी, अंबालाल चौहान, श्रीमती मीना कनेसरिया, श्रीमती मधु राठौर सहित आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के कई सदस्य उपस्थित रहे। नवप्रशिक्षित शिक्षकों ने बेंगलुरु स्थित आश्रम में परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के सानिध्य में जीवन जीने की कला, ध्यान, प्राणायाम, सेवा और ज्ञान की विधाओं में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण न केवल आत्मविकास का माध्यम है, बल्कि समाज के हर वर्ग तक शांति, सद्भाव और

सकारात्मकता पहुँचाने का भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है। अब यह तीनों शिक्षक मंदसौर में आर्ट ऑफ लिविंग की सामाजिक सेवा, योग-प्राणायाम, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं युवाओं के चरित्र निर्माण जैसे क्षेत्रों में नवचेतना का संचार करेंगे। यह स्वागत समारोह न केवल एक गौरवपूर्ण क्षण था, बल्कि यह संदेश भी देता है कि जब व्यक्ति आत्मकल्याण के पथ पर चलता है, तो वह समाज के कल्याण का दीपक भी बन जाता है।

राग और द्वेष का आवरण हटने पर ही आत्मा का दिव्य स्वरूप प्रकट होता है-रातड़िया

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि प्रत्येक आत्मा दिव्यता से परिपूर्ण है किन्तु जब राग द्वेष का आवरण रहता है तब तक दिव्य स्वरूप प्रकट नही होता है। सबके प्रति समान रूप से सद्भाव प्रेम है जबकि स्वार्थपूर्ण लगाव मोह कहलाता है। भरत चक्रवर्ती तक को हिरण के बच्चे के प्रति मोह के कारण हिरण रूप में जन्म लेना पडा। स्वयं व परिवार के प्रति कर्तव्य परायणता अध्यात्म की राह मे बाधक नही है। विवेकपूर्ण आचरण गृहस्थ जीवन को सार्थक करता है। यह अध्यात्म की राह मे अवरोध नही है। वरिष्ठ साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि सभी सुख चाहते है किन्तु सुख केवल भक्ति मे है। राम और काम एक साथ नही रह सकते है। जो प्रभु स्मरण मे लीन है वह जीवन सार्थक करता है। श्री राजकुमार जसवंत, श्री महेश कानूनगो ने विचार रखे। श्री सुरेश पण्ड्या ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। श्री दिनेश खत्री, श्री सुधीर कोठारी एवं श्री रमेश ब्रिजवानी ने गीत भजन प्रस्तुत किये। श्री कृष्णकुमार जोशी , पं. प्रकाश दीक्षित, श्री योगेन्द्र जोशी, श्री प्रकाश कल्याणी, श्री राजेन्द्र छाजेड, श्री शंकरलाल त्रिवेदी, श्री परमेश्वर बैरागी, श्री भेरूलाल पटेल, श्री शांतिलाल सोनी, श्री प्रहलाद मालवीय, श्री मनोज भटनागर ने सहभागिता की। संचालन श्री रमेश ब्रिजवानी व आभार प्रदर्शन श्री निरंजन भारद्वाज ने किया।

विधायक परिहार ने खेत तालाब एवं कूप रिचार्ज के हितग्राहियों का किया सम्मान

नीमच, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में खंडवा के मण्डी प्रांगण में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का प्रदेश सभी जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत मुख्यासलयों पर सीधा प्रसारण किया गया।

जनपद पंचायत नीमच स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन समारोह ग्राम पंचायत छायन में विधायक नीमच श्री दिलीप सिह परिहार, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा मदनलाल धनगर, श्री अर्जुन सिह सिसोदिया, श्री अनिल शर्मा, सरपंच श्री अमृत लाल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने उदबोधन में विधायक श्री परिहार ने कहा, कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान, जल सहेजने, जल संरक्षण का जल आंदोलन बन गया है। प्रदेशके साथ ही नीमच जिले में भी बड़ी संख्या में खेत तालाब, अमृत सरोवर के निर्माण कार्य और डगवेल रिचार्ज के कार्य किए गए है। साथ ही तालाबों का जल सहयोग से गहरीकरण कर, मिट्टी निकालने का अभूतपूर्व कार्य भी नीमच जिले में हुआ है। इस अवसर पर विधायक श्री परिहार ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिवों और रोजगार सहायकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसमें प्रथम स्थान पर रही ग्राम पंचायत छायन के सरपंच, सचिव को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। विधायक ने खेत तालाब एवं कूप रिचार्ज के कार्य करने वाले हितग्राहियों को भी सम्मानित किया। जनपद सीईओ सुश्री मयूरी जोक ने अपने स्वागत उदबोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा एवं जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन श्री राजू गरासिया, एवं आभार श्री रामप्रसाद लुहार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के श्री विरेन्द्र ठाकुर, उप सरपंच श्री सुरेन्द्र सिह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जल संरक्षण में नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा मप्र-मारू

भाटखेड़ी बुजुर्ग में जल गंगा संवर्धन का विकासखण्ड स्तरीय समापन समारोह सम्पन्न

नीमच, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण में म.प्र.नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। गांव-गांव में जनसहभागिता से जल संरक्षण के अभूतपूर्व कार्य हुए है।

यह बात मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने सोमवार को मनासा क्षेत्र के ग्राम भाटखेड़ी बुजुर्ग में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के विकासखण्ड स्तरीय समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर त्रि-स्तरीय पंचायतों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, एसडीएम श्री पवन बारिया, जनपद सीईओ श्री अरविंद डामोर, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा ग्रामीणजन उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक श्री मारू ने क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उत्कृपष्ट कार्य करने वाली पंचायतों के सरपंच, सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और खेत तालाब, डगवेल रिचार्ज करने वाले हितग्राहियों को भी सम्मानित किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	57	2050	2300
उड़द	8	2501	4500
सोयाबीन	7261	3401	4301
गैहु	9208	2100	2750
चना	485	5000	5510
मसुर	160	5250	6215
धनिया	172	5100	7200
लहसुन	14500	2800	9900
मैथी	964	3800	5700
मुंगफली	1316	3750	5200
अलसी	1567	6771	7190
सरसो	353	6176	6532
तारामीरा	0000	00000	00000
इसबगोल	64	8401	10853
प्याज	5460	300	1380
कलोंजी	43	6300	20501
तुलसी बीज	28	9300	14600
डॉलर	37	5501	7501
तिल्ली	235	6100	9280
जौ	000	00000	0000
मटरसुखी	18	2201	3656
असालीया	25	6250	6731
चियाबीज	48	9600	15331

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में 72 जल संरचनाओं का गहरीकरण किया

जिले में 1238 खेत-तालाब, 10 अमृत सरोवर, 4296 डग वेल रिचार्ज के कार्य प्रारम्भ किए, जल गंगा संवर्धन अभियान के लाइव कार्यक्रम को जिला पंचायत सभागार में देखा और सुना

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान का आज समापन का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम खंडवा में आयोजित किया गया। जिसका लाइव प्रसारण तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संबोधन को जिला पंचायत सभागार में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, हितग्राही, कर्मचारियों ने देखा और सुना। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सभी नगरीय निकायों, सभी ग्राम पंचायत में किया गया। जहां पर लोगों ने कार्यक्रम देखा और सुना।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरचनाओं के 72 जीर्ण-शीर्ण कार्य को चिन्हींत कर जनभागीदारी से गहरीकरण कराया गया। मनरेगा के तहत पुराने जलसंरक्षण के 1284 कार्य को पूर्ण कराया गया। जिले में 15 अमृत सरोवर बनाने के लक्ष्य के विरुद्ध 10 अमृत सरोवर हेतु सीप्री साफ्टवेयर के माध्यम से स्थल चयन कर कार्य प्रारम्भ कराया गया। जिले में 1238 खेत तालाब के कार्य प्रारम्भ किए गए। जिले में 4800 डग वेल रिचार्ज के कार्य की स्वीकृति दी जाकर 4296 कार्य प्रारम्भ किए गए। 2700 से अधिक वालेन्टर का पंजीयन कर प्रशिक्षण दियागया।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वर्षा ऋत् के दौरान पौधारोपण के लिए सभी विभागों के माध्यम से 5 लाख से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया जिसकी प्रारम्भिक तैयारी की जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायतों में 201 नवीन पेयजल प्याऊ की स्थापना की गई। नदियों एवं अन्य जल स्त्रोंत के जलीय जीवों के संरक्षण हेतु वन विभाग द्वारा कार्य किया गया। जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति, जल संरक्षण और संवर्धन का महत्व और इस हेतु उपाय, वृक्ष और जल संवर्धन के मध्य संबंध, विश्व जल दिवस, नदी को जानों, जल जागरुकता विषयों पर कक्षा 9वीं से 12वीं विद्यालयों पर निबंध, पोस्टर, रंगोली, परिचर्चा एवं संवाद का आयोजन किया गया। जल संकट रोकने के उपाय प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अव्यव 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' अंतर्गत 45 कृषकों को स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सुविधा उपलब्ध कराई गई। जन अभियान परिषद के प्रस्फुटन समूह के सहयोग से जलसंचय हेतु जनसहभागिता बढाने के लिए जन जागरूकता रैली, चौपाल संवाद, श्रमदान, दीवार लेखन, कुएं एवं बावड़ी की साफसफाई, स्लोगन, नारे लेखन, चित्रकला तथा वाद विवाद इत्यादि गतिविधियां 88 स्थानों पर की गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 1136 एकल नल जल योजनाओं के स्रोतों की जियोटेगिंग की गई।

उज्जैन के महाकाल मंदिर में श्रावण में कांवड़ यात्रियों को मिलेगी वीआईपी सुविधा

उज्जैन, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में अब तक नेता, अधिकारियों आदि को ही विशेष प्रवेश द्वार से प्रवेश की सुविधा मिलती है, लेकिन अब श्रावण मास में देशभर से आने वाले कांवड यात्रियों को इस सुविधा का लाभ मिलने जा रहा है।

मंदिर समिति ने सैकड़ों किलोमीटर की पद यात्रा का भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने आने वाले कांवडियों के लिए चार नंबर गेट से प्रवेश की व्यवस्था की है। वर्तमान में यह द्वार 250 रुपये के शीघ्र दर्शन टिकट वाले श्रद्धालुओं के लिए आरक्षित है। कांवड यात्री महाकालेश्वर अन्नक्षेत्र में निःशुल्क महाप्रसादी भी ग्रहण कर सकेंगे।

देशभर से आएंगे कांवड यात्री– श्रावण मास में देशभर से हजारों कांवड यात्री गंगा, नर्मदा सहित अन्य प्रमुख नदियों का जल लेकर भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने उज्जैन आते हैं इस बार भी 11 जुलाई से नौ अगस्त श्रावणी पूर्णिमा तक संपूर्ण श्रावण मास में भगवान के जलाभिषेक का सिलसिला चलेगा। दूरदराज से सैकड़ों किलोमीटर की पद यात्रा करते हुए महाकाल के दर आने वाले कांवड यात्रियों को भगवान के जलाभिषेक में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो, इसलिए इनके प्रवेश की व्यवस्था चार नंबर गेट से की गई है। इस विशेष द्वार से कांवड यात्रियों को प्रवेश कर विश्राम धाम, सभा मंडप के रस्ते गणेश व कार्तिकेय मंडपम् में पहुंचेंगे तथा

यहां लगे जलपात्र से जल अर्पण कर निर्धारित व्यवस्था अनुसार मंदिर के बाहर निकलेंगे। कावड यात्रियों को विशेष द्वार से प्रवेश की सुविधा सप्ताह में तीन दिन मंगलवार से शुक्रवार तक सुबह छह बजे से शाम 4 बजे तक मिलेगी। शनिवार, रविवार व सोमवार को अत्यधिक भीड होने से यह व्यवस्था स्थगित रहेगी। हालांकि कांवड यात्री भीड भरे इन दिनों में भी भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें श्री महाकाल महालोक के नंदी द्वार से सामान्य दर्शनार्थियों की कतार में लगना पड़ेगा।

दो स्थानों पर लगेंगे जल पात्र– श्रावण में भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में दो स्थान सभा मंडप व कार्तिकेय मंडपम में जल पात्र लगाए जाएंगे। भक्त इन पात्रों में जल अर्पण करेंगे और जल पाइप के माध्यम से भगवान को अर्पित होगा। बता दें आम दिनों में भगवान महाकाल को केवल आरओ जल ही अर्पित किया जाता है।

विशेष इंतजाम होंगे– महाकाल मंदिर में कांवड यात्रियों के लिए वीआइपी इंतजाम किए जा रहे हैं। उनके लिए चार नंबर गेट से प्रवेश की विशेष सुविधा रहेगी। बड़ी कांवड यात्राओं के लिए भी विशेष इंतजाम रहेंगे। भोले के भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

मूलचंद जूनवाल, सहायक प्रशासक, महाकाल मंदिर

जल गंगा संवर्धन अभियान से पुनर्जीवित हुए सूखे तालाब

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश सरकार की मंशानुसार, प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जलगंगा संवर्धन अभियान चलाया गया। जिले में यह अभियान लगातार चला, जिसका परिणाम अब दिखने लगा। इस अभियान के माध्यम से प्रदेशभर के जलस्रोतों को पुनर्जीवित कर जल संवर्धन को जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया। जिले ने इसी अभियान में भागीदारी कर वह कर दिखाया, जो वर्षों से केवल एक सपना था। जो तालाब कभी सूखा हुआ करता था, अब वो जल से भरा हुआ है।

जनप्रतिनिधि, प्रशासन, जन अभियान परिषद और ग्रामवासियों के साझा प्रयासों से तस्वीर बदल गई है। गांवों के तालाब गंदगी, झाड़ियों और प्लास्टिक कचरे के कारण उपयोगहीन हो गए थे। लेकिन जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत के नेतृत्व और ग्रामीणों की भागीदारी ने इन तालाबों की तकदीर बदल दी है। विभागों की तकनीकी टीमों ने पहले तालाब के आवश्यक सुधार बिंदु तय किए। इसके बाद प्राकृतिक नालों की सफाई कर वर्षा जल को तालाब की ओर मोड़ा गया। तालाब की खुदाई कर उसकी गहराई और जल संग्रहण क्षमता बढ़ाई गई। ग्रामवासियों ने भी श्रमदान कर सफाई और निर्माण में पूर्ण योगदान दिया।

जलभराव से आम जन जीवन लाभान्वित हुआ– तालाबों के जलभराव से आम जन जीवन बहुत लाभान्वित हुआ है। सूखा और गंदगी से पटा तालाब में अब पानी भरने लगा है। हैंडपंप व कुएँ भी रीचार्ज होंगे। और भूजल स्तर में सुधार के स्पष्टसंकेत दिख रहे हैं। जिससे किसान भी प्रसन्न हैं।

दो पक्षों में मारपीट, 6 पर क्रास प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। दो पक्षों में हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों पर केस दर्ज किया। बरखेड़ा वीरपुरिया निवासी नरेन्द्र पिता मोड़ीराम खटीक ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि घर पर थे, इसी दौरान राहुल पिता ओमप्रकाश खटीक, पवन पिता ओमप्रकाश खटीक, कृष्णाबाई पति ओमप्रकाश खटीक आए और बोले कि तुमने हमारे खेत पर बुआई क्यों की। तीनों ने गाली-गलौज की व मेरे तथा मेरी मां सोहनबाई बहिन कृष्णाबाई के साथ मारपीट की। जिससे हाथ, पैर पर चोंटे आई। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया। इसी तरह राहुल पिता ओमप्रकाश खटीक ने शिकायत दर्ज कराई कि नरेन्द्र खटीक के घर का कांच किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोड़ दिया। इसका आरोप मुझ पर लगाते हुए गाली-गलौज की व लोहे के सरिए की सिर पर मारी, नरेन्द्र की मां सोहनबाई व बहिन ममताबाई ने भी मारपीट की व मेरे भाई पवन को पीटा। जिससे चोंटे आई। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया।

नि:शुल्क अनाज वितरण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई-मंत्री चौहान

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने कहा है कि जनजातीय अंचलों में पात्र परिवारों को नि:शुल्क राशन वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कहीं भी अनियमितता या लापरवाही पाई जाती है तो जिम्मेदार कर्मचारियों और सेल्समेन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने गरीब और जनजातीय भाईयों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। राशन कार्ड धारकों को तीन माह का अग्रिम नि:शुल्क राशन जून महीने में ही वितरित करने की योजना बनाईगईहै, ताकिवर्षा ऋतु में किसी भी तरह की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस योजना पर पूरी गंभीरता से अमल कर रही है। अलीराजपुर जिले सहित प्रदेश के अन्य जनजातीय बहुल इलाकों में भी इस योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। मंत्री श्री चौहान ने जिले के जनजातीय भाईयों से भी अपील की है कि वे अपने उचित मूल्य की दुकान से जून महीने में ही तीन माह का पूरा राशन प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि हाल ही में जिले के विभिन्न गांवों से उन्हें जानकारी मिली है कि कुछ स्थानों पर हितग्राहियों को केवल दो माह का ही राशन वितरित किया जा रहा है, जबकि उन्हें तीन माह का अनाज अग्रिम रूप से दिया जाना चाहिए। इसके अलावा स्व-सहायता समूह की बहनों और सेल्समेन के द्वारा राशन वितरण कार्य में लापरवाही की शिकायतें भी सामने आई हैं। इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्री चौहान ने जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में अनाज की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई कर्मचारी, सेल्समेन या समूह की सदस्य लापरवाही बरतते पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ नियम अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में उन्होंने जिला कलेक्टर को निगरानी बढ़ाने और ग्राम स्तर तक वितरण की सतत समीक्षा करने के भी निर्देश दिए हैं। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार गरीबों और जनजाति वर्ग के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। उन्होंने ग्रामवासियों से भी अपील की है कि यदि कहीं भी राशन वितरण में गड़बड़ी हो तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

रंजिश को लेकर पीटा, 3 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों पर केस दर्ज किया। भूखी बुजुर्ग निवासी रणछोड़ गोस्वामी ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पुरानी रंजिश को लेकर प्रहलाद बागरी, शिवलाल बागरी व ममता बागरी ने गाली-गलौज की व लट्ठ से मारा, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

फेक्चर आने पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। लेन-देन के विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। नाहरगढ़ निवासी ओमप्रकाश उर्फ बालाजी पिता बद्रीलाल तेली के साथ लेन-देन के विवाद में गत् दिनों मारपीट हुई थी। मेडीकल रिपोर्ट में अंगुलियों में फेक्चर आने पर नाहरगढ़ पुलिस ने अर्जुन पिता मुकेश तेली व मुकेश पिता वरदीचंद तेली के खिलाफ केस दर्ज किया।

मजदूर को पीटा, मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। मजदूर के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। नारायणगढ़ थाने पर मजदूर अजय हरिजन ने केस दर्ज कराया कि मैं घर के सामने खड़ा था इसी दौरान पड़ोसी बालमुकुन्द उर्फ लाला पिता रामनारायण भास्कर आया और बोला कि बहुत दादा बनता है। गाली-गलौज कर मारपीट की व लकड़ी से सिर पर मार दी। जिससे चोंट आई। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया।

लूट का प्रयास करने वाले तीन आरोपियों को 05-05 वर्ष का सश्रम कारावास

मनासा, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। श्रीमान् आशुतोष यादव, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश, मनासा, जिला नीमच द्वारा बकरा लूटने के दौरान फरियादी के साथ मारपीट करने वाले आरोपीगण (01) सचिन पिता मानसिंह बांछड़ा, आयु-28 वर्ष, (02) अनुकूल पिता मानसिंह उर्फ विजेश बांछड़ा, आयु-26 वर्ष, व (03) विजेश पिता मानसिंह बांछड़ा, आयु-45 वर्ष, तीनों निवासीगण-ग्राम बर्डिया, तहसील-मनासा, जिला-नीमच को धारा 394 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 05-05 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1000-1000रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी रितेश कुमार सोमपुरा द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया गया कि घटना लगभग 5 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 16.08.2020 को दिन के लगभग 03:30 बजे ग्राम भोपाली, तहसील मनासा की हैं। फरियादी अर्जुन मीणा खेल मैदान में अपनी बकरियां चरा रहा था तभी वहां पर आरोपीगण आए और फरियादी का बकरा पकड़ लिया और ले जाने का प्रयास करने लगे तभी फरियादी ने उनको रोकने की कोशीश की तो तीनो आरोपीगण ने फरियादी के साथ लात-घूंसो से मारपीट कर चोटे पँहुचाई। फरियादी के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास के खेत में काम कर रहें ताराचंद व राहुल मीणा उसे बचाने आए तो आरोपीगण ने उनके साथ भी लात-घूंसों से मारपीट की, जिसके बाद तीनों आरोपीगण मौके से भाग गए। फरियादी की रिपोर्ट पर से आरोपीगण के विरूद्ध थाना मनासा में रिपोर्ट लेख की गई। मनासा पुलिस ने विवेचना के दौरान आरोपीगण को गिरफ्तार किया तथा शेष आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग अपर सत्र न्यायालय, मनासा में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी व आहतगण सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपीगण को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगण को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया एवं अर्थदण्ड की कुल राशि 3000रू को आहत अर्जुन को प्रतिकर के रूप में प्रदान किये जाने का आदेश भी दिया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक श्री गुलाबसिंह चंद्रावत द्वारा की गई।

एनडीपीएस एक्ट में आरोपी को 15 वर्ष की सजा व जुर्माने से दण्डित किया

मनासा, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। विशेष अपर सत्र न्यायाधीश श्री अनिल कुमार दंदेलिया द्वारा विशेष सत्र प्र.क्र. 01/2016 में आरोपी मुकेश उर्फ मनोहर पिता लादुरामजी जाट निवासी- मेघराम, थाना-बनेड़ा NDPS ACT धारा 8/15 मे जिला-भीलवाड़ा (राज.) को 15 वर्ष का आजन्म कारावास व रुपये र 1,50,000/- अक्षरी एक लाख पचास हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। घटना दिनांक 01/11/2015 को आरोपी अपने साथी कमलसिंह के साथ पिकअप रजि.क्रं. RJ-01-GB-3040 में डोडाचूरा भरकर ले जा रहे थे, उस समय ग्राम देवरीखवासा के पास उक्त दोनों आरोपीगण के आधिपत्य वाले पिकअप से 28 कट्टों में भरा 6 क्विंटल 25 कि.ग्रा. डोडाचूरा जप्त किया था। विचारण न्यायालय द्वारा 18 साक्षियों का परीक्षण किया गया। साक्षियों को आहूत करने के संबंध में आरक्षक समरथ खराड़ी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। परीक्षण पर से अभियोजन की कहानी का पूर्ण समर्थन करते न्यायालय द्वारा आरोपी को सजा से दण्डित किया। उक्त प्रकरण में शासन की ओर से सफल पैरवी अपर लोक अभियोजक प्रेमसुख पाटीदार द्वारा की गई।

विशम्भर दयाल दीक्षित का निधन

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। न्यायिक सेवा में कार्यरत अवधेश कुमार दीक्षित (विधिक सेवा प्राधिकरण मन्दसौर) के पूज्य पिता जी उत्कर्ष,मलय एवं कीर्ति के दादा जी श्री विशम्भर दयाल जी दीक्षित का 90 वर्ष की आयु में सोमवार को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा उनके निवास जी 1 शिक्षक नगर ऑफिसर कॉलोनी महू नीमच रोड साई मंदिर के सामने मंदसौर से सोमवार शाम 5 बजे निकली। परिजनों स्नेहीजनों एवं मित्रों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम बिदाई दी। उनके पुत्र अवधेश दीक्षित एवं पोते उत्कर्ष एवं मलय ने मंदसौर शिवना किनारे मुक्तिधाम पर उनकी चिता को मुखाग्नि दी। उनकी अंतिम यात्रा में शहर कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर,वरिष्ठ अभिभाषक प्रमोद मेनारिया, राजकुमार सिंह देवड़ा,हिम्मतसिंह सांखला,सुनील कुमार बड़ोदिया, एस एस यादव,जशवंत सिंह शक्तावत,के के शर्मा,प्रदीप भावसार सहित स्नेहीजनों ने शामिल होकर अपनी श्रद्धांजलि दी।

जलगंगा संवर्धन अभियान से पुनर्जीवित हुई 06 बावड़ियां

मंदसौर, 30 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रारंभ किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जिले की प्रमुख एवं प्राचीन और ऐतिहासिक बावड़ियां अपने मूल स्वरूप में दिखने लगी है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत, जिले की ऐतिहासिक धरोहर को नवजीवन मिला है। यह सफलता केवल विकास और जल संरचना के पुनरुद्धार की नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पर्यावरण संरक्षण दृष्टिकोण और जल संरक्षण को लेकर प्रतिबद्ध नेतृत्व ने इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया है।

जिले की इन छ: बावड़ियों में मंदसौर– विकासखंड की मंदसौर अखाशा की बावड़ी, सात सहेलियों की बावड़ी, नागदेवता की बावड़ी। विकासखंड सीतामऊमें औखा बावड़ी, क्यामपुरा। विकासखंड गरोठ में छाजड़जी की बावड़ी, गरोठ। विकासखंड भानपुरा में गणेश मंदिर वाली बावड़ी केथुली शामिल हैं। जिला प्रशासन एवं जन अभियान परिषद के अथक प्रयास से अपने मूल स्वरूप में लौटी है। अभियान का ही परिणाम है कि, यह संरचना फिर से उपयोग लाने लाइक बन गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शिता ने इन बावड़ियों को एक बार फिर जीवंत कर दिया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत यह कार्य न केवल एक संरचना का पुनरुद्धार है, बल्कि जल संरक्षण के प्रति मध्यप्रदेश सरकार की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

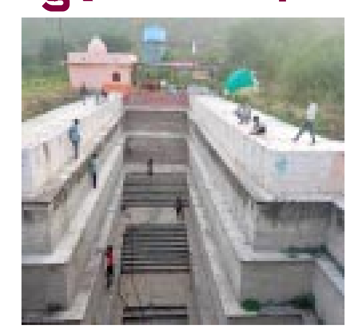

जीएसटी कलेक्शन से भरा सरकार का खजाना, तोड़ा 5 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 30 जून। जीएसटी कलेक्शन पांच साल में दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए के लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपए था। खास बात तो ये है कि बीते 5 साल ये जीएसटी कलेक्शन दोगुना हो गया है।

जब से जीएसटी लागू किया गया है। उसके बाद से सरकार के खजाने में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। अब जीएसटी कलेक्शन से सरकार ने रिकॉर्ड तक बना डाला है। वास्तव में बीते वित्त वर्ष 2025 में सरकार ने रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन किया है। खास बात ये है कि सरकार का ये कलेक्शन बीते 5 बरस में दोगुना हो गया है। जानकारों की मानें तो जीएसटी कलेक्शन में आने वाले सालों में और इजाफा देखने को मिल सकता है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से किस तरह के आंकड़े जारी किए गए हैं। ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन पांच साल में दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 22I08 लाख करोड़ रुपए के लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपए था। ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए के अपने पीक को छू गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.4 फीसदी अधिक है। खास बात तो ये है कि पांच साल में सालाना आधार पर ये कलेक्शन करीब दोगुना हो चुका है। वित्त वर्ष 2024-25 में औसत मासिक कलेक्शन 1.84 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 2023-24 में 1.68 लाख करोड़ रुपए और 2021-22 में 1.51 लाख करोड़ रुपए था। जानकारों की मानें तो आने वाले सालों में ये मासिक औसत कलेक्शन 2 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच सकता है।

दोगुनी से ज्यादा हुई टैक्स पेयर्स की संख्या– जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड करदाताओं की संख्या 2017 के 65 लाख से बढ़कर आठ साल में 1.51 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। जीएसटी के आठ वर्षों पर एक सरकारी बयान में कहा गया कि इसके लागू होने के बाद से, जीएसटी ने रेवेन्यू कलेक्शन और टैक्स बेस बढ़ाने में मजबूत वृद्धि दिखाई है। इसने भारत की राजकोषीय स्थिति को लगातार मजबूत किया है और अप्रत्यक्ष कराधान को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाया है। जीएसटी ने 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए का अपना अब तक का सबसे अधिक सकल संग्रह दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 9.4 प्रतिशत की वृद्धि है।

कार्यालय अधीक्षक सब जैल गरोठ, जिला जैल मंदसौर (म.प्र.)

E-mail-jssjgaroth@mp.gov.in, Tel No.-07425-238248

क्रमांक...../निर्वाह/2025 गरोठ, दिनांक-20.06.2025

******** ई निविदा आमंत्रण सूचना ********

वार्षिक निविदा वर्ष 2025-26 तृतीय आमंत्रण

समस्त पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश जैल आपूर्ति नियम 1968 तथा म.प्र. भंडार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) के तहत सब जैल गरोठ में परिरुद्ध बंदियों हेतु खाद्यान्न की शेष सामग्री, स्वच्छता, विद्युत/भवन निर्माण एवं अन्य सामग्रियों तथा दवाईयों की पूर्ति हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित समस्त जानकारी https://mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। ई-निविदा का कार्यक्रम निम्नानुसार है-

क्रं.	विवरण	दिनांक/समय	स्थान
1	प्री-बीड मीटिंग	12.07.2025 दोपहर 01.00 बजे	सब जैल गरोठ
2	ई-निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	दिनांक 16.07.2025 प्रातः 11.00 बजे तक	https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकेंगे
3	ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिनांक 16.07.2025 शाम 05.000 बजे तक	https://mptenders.gov.in ऑनलाईन स्वीकार की जावेगी
4	नमूने जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 17.07.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	सब जैल गरोठ
5	नमूनों की गुणवत्ता परीक्षण की तिथि	दिनांक 17.07.2025 दोपहर 01.00 बजे	सब जैल गरोठ
6	तकनीकी ई-निविदा (आवश्यक दस्तावेज) खोलने की तिथि	दिनांक 18.07.2025 दोपहर 01.00 बजे	सब जैल गरोठ
7	वित्तीय ई-निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 22.07.2025 प्रातः 11.00 बजे	सब जैल गरोठ

G-15014/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

अधीक्षक
सब जैल गरोठ (म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in